



भारत का गजेट The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 78

नई दिल्ली, शनिवार, मई 3, 1980 वैसाख 13, 1902

No. 78

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 3, 1980 VAISAKHA 13, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वाणिज्य एवं नागरिक आयूर्तं भ्रातालय

(वाणिज्य विभाग)

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. : 15-आई टी सी (पी एन) / 80

नई दिल्ली, 3 मई, 1980

विषय : कच्चे काजू के सम्बन्ध में आयात और वितरण
नीति—आयात-नीति 1980-81

फा. सं. आई पी सी/65/13/79-80.—आयात-नियांत्रित क्रिया-विधि हैंड-बुक 1980-81 के अध्याय 6 की कटिका 147 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. कच्चे काजूओं के सम्बन्ध में यह विविच्छय किया गया है कि आयातित कच्चे काजूओं की उत्तरव्यवस्था का दिनारण सारणीबद्ध अस्तित्व द्वारा अर्थात् भारतीय काजू गिरा लिया जाएगा। इसके दो विभिन्न विधियों के बाब्त विवरण दिया जाएगा।

(1) दो वास्तविक उत्तरव्यवस्थाएँ संसाधक हैं जिन्होंने काजूओं के आयात-नियांत्रित व्यापार संभाल लिया था और जिन्होंने 1983-1989 किसी भी कानूनेड़र वर्ष में और 31 अगस्त, 1970 तक काजू संसाधित करने की फैक्ट्री चला रखी थी।

(2) यदि सारणीबद्ध करने की तिथि से लगातार दो वर्षों की अवधि तक एक पात्र वास्तविक उपा-

योक्ता ने व्यवसाय न किया हो तो वह आयातित कच्चे काजू के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।

- (3) आबंटन उन कारखानों को किए जाएंगे जो संसाधकों (वास्तविक उपयोक्ताओं) ने निगम में दाखिल किए गए प्रपत्र में घोषित किए हैं और/या वे सारणीबद्ध करने की तिथि के बाद उनके द्वारा स्वीकृत कर लिए गए हैं।
- (4) जो कारखाना कारीगरों की सुरक्षा, सर्विस की शर्तों या निर्धारण और मजदूरी के भुगतान से संबंधित कानून के उपबंधों के अनुकूल नहीं होगा वह निगम से कच्चे काजू-गिरी के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।
- (5) प्रत्येक कारखाने को आबंटन कारखाने द्वारा रखे गए मस्टर रोल से मूलिकता और निगम द्वारा सत्यापित मजदूरों की संख्या के आधार पर निगम द्वारा निश्चित किया जाएगा।
- (6) यदि कारीगरों की संख्या कम हो जाएगी तो कारखानों से प्राप्त विवरण के आधार पर और अपने डारा किए गए सत्यापन के आधार पर निगम को दह अधिकार होगा कि वह प्रारम्भिक आबंटन को पुनः निर्धारित करे। जिन कारखानों के मस्टर रोल का, निगम उनके निरीक्षण के द्वारा सत्यापन न कर सका हो, या जिस मामले में निगम ने किसी कारखाने की हकदारी की एनरीक्षा करना आवश्यक समझा हो उसके संबंध में निगम

इस मद के आयात को सरणीबद्ध करने के समय प्रपत्र में दिए गए निम्नतम अंकड़े के आधार पर निश्चित की गई कारीगरी की संख्या के आधार पर या यदि आवश्यक हो तो समर्थक मात्र्य के साथ 1971 से द्वारा दिया गई अंकड़ा शीट के आधार पर आवंटन करेगा ।

- (7) कारपोरेशन द्वारा आवंटित कच्ची काजू-गिरियाँ उसी कारबान में संसाधन की जाएंगी जिनके मंबंध में निगम द्वारा जारी किए गए आवंटन पत्र में आवंटन किया गया है और किसी अन्य कारबान की छोड़ों में या पूर्ण रूप में हस्तान्तरण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।
- (8) 1 सितम्बर, 1970 के बाद लगातार दो वर्षों में इससे अधिक अवधि के लिए बंद रहने वाला कारबान कच्ची काजू-गिरियाँ के आवंटन के लिए पात्र नहीं होगा ।
- (9) नियतन इस शर्त के अधीन होगा कि आवंटित कच्ची काजू-गिरियाँ वैदावाद के अन्सार 125% के बराबर काजू की गिरियाँ नियति की जाएंगी और उभका प्रमाण निगम को भेजा जाएगा ।
- (10) कच्चे काजू के आवंटन के लिए विशेष क्रियाविधि को ध्यान में रखते हुए 1980-81 के लिए आयात-नीति की केंटिका 44 (2) में निहित सूचिधारण लागू नहीं होंगी ।
- (11) इस सार्वजनिक सचना की व्यवस्थाएँ वाणिज्य विभाग द्वारा बनाई गई विशेष समिति के अधीन विनियोगी नियतिकों के लिए भारतीय काजू निगम नि. द्वारा किए जाने वाले कच्चे काजू के किसी भी आवंटन के लिए भी लागू नहीं होंगी ।

3. मूल्य नियंत्रक, आयात-नियात प्रत्येक मासले में नियंत्रित की जाने वाली शतांश के अधीन भारत में संसाधन और पूँज़ी नियात के प्रयोगन के लिए गण-दोष के आधार पर कच्चे काजू के सीधे आयातों के लिए भी स्वीकृति प्रदान कर सकता है ।

4. उपर्युक्त व्यवस्थाएँ 15 अप्रैल, 1980 से लागू होंगी ।
सी. वेंकटरामन, मूल्य नियंत्रक, आयात-नियात

MINISTRY OF COMMERCE & CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 15 -ITC(PN)/80

New Delhi, the 3rd May, 1980

Subject : Import and distribution policy in respect of Raw Cashewnuts- Import policy, 1980-81.

F. No. IPC/65/13/79-80.—Attention is invited to para 147 of Chapter VI of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1980-81.

2. In respect of Raw Cashewnuts, it has been decided that the available quantity of imported raw cashewnuts will be distributed by the canalising agency viz: the Cashew Corporation of India Limited (hereinafter referred to as "Corpora-

tion") to the eligible Actual Users on the basis and in the manner indicated below:—

- (i) The eligible Actual Users are those processors who had participated in the import and export trade of cashewnuts and operated cashew processing factories in any of the calendar year 1968, 1969 and upto 31st August, 1970.
- (ii) An eligible Actual User will cease to be eligible for allocation of imported raw cashew if he was not in business for a continuous period of two years from the date of canalisation.
- (iii) Allocations will be made to those factories declared by the processors (Actual Users) in the proforma filed with the Corporation and/or accepted by them after the date of canalisation.
- (iv) Any factory which does not conform to the provisions of law relating to safety, conditions of service or fixation and payment of wages to the workmen will not be eligible for allotment of raw cashewnuts from the Corporation.
- (v) The allocation to each factory shall be determined by the Corporation on the basis of the labour strength ascertained from the Muster Roll maintained by the factory and verified by the Corporation.
- (vi) The Corporation shall have the right to refix the initial allocation if the labour strength has come down based on returns from the factories and the verification carried out by the Corporation. With respect to those factories whose Muster Roll could not be verified by the Corporation during the inspection of factories, or where the Corporation considered it necessary to review the entitlement of any factory, the Corporation may make allocation on the basis of the labour strength determined on the basis of the lowest of the figure reported in the proforma at the time of canalisation of import of this item or the data sheet filed in 1971 with corroborative evidence, if necessary.
- (vii) Raw cashewnuts allotted by the Corporation shall be processed in the factory in respect of which allotment has been made in the letter of allotment issued by the Corporation and no transfer either in part or in full to any other factory will be permitted.
- (viii) Any factory closed down for a continuous period of two years or more after 1-9-1970 will not be eligible for allotment of raw cashewnuts.
- (ix) The allocation shall be subject to the conditions that cashew kernels equivalent of 125 per cent in terms of yield of the raw cashewnuts allotted, shall be exported and proof thereof furnished to the Corporation.
- (x) In view of the special procedure for allocations of raw cashewnuts, the facilities mentioned in para 44 (2) of the Import Policy for 1980-81 will not be applicable.
- (xi) The provisions of this public notice will not also apply to any allocations of raw cashewnuts that may be made by the Cashew Corporation of India Limited to the manufacturer-exporters under a special scheme evolved by the Department of Commerce.
3. The Chief Controller of Imports and Exports may also allow direct imports of limited quantities of raw cashewnuts, on merits, for the purpose of processing in India for re-export, subject to such conditions as may be stipulated in each case.
4. The above arrangements will take effect from 15th April, 1980.

C. VENKATARAMAN, Chief Controller of Imports and Exports